भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3657

उत्तर देने की तारीख 10 अगस्त, 2026

सोमवार, 19 श्रावण, 1948 (शक)

नव्या कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित बालिकाएं

†3657.श्री बी. के. पार्थसारथी:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नव्या (युवा किशोरियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आकांक्षाओं का पोषण) कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित बालिकाओं की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार का विचार पहले से शामिल 27 आकांक्षी जिलों के अतिरिक्त अन्य आकांक्षी जिलों में नव्या कार्यक्रम का विस्तार करने का है;

(ग) यदि हाँ, तो विस्तार के लिए लक्षित जिलों, समय-सीमा और नियोजित संसाधनों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) किशोरियों के कौशल विकास, रोजगार-योग्यता और आर्थिक सहभागिता पर नव्या के प्रभाव की निगरानी और मूल्यांकन के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(**क**) युवा किशोरियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आकांक्षाओं को बढ़ावा देना (नव्या) कार्यक्रम के तहत 15 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की 1,060 लड़कियों को प्रशिक्षित किया गया है। इसका ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

(**ख**) **और** (**ग**) सरकार ने दिनांक 27 मई 2026 से देश भर के 100 आकांक्षी जिलों में नव्या कार्यक्रम का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

(**घ**) नव्या कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) के अंतर्गत कार्यान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षित उम्मीदवारों को उद्योग-संबंधी कौशल पाठ्यक्रम और साथ ही ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) प्रदान करके उन्हें विभिन्न करियर

अवसरों को अपनाने के लिए सशक्त बनाना है। नव्या के अंतर्गत भविष्योन्मुखी जॉब रोल्स में प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है, साथ ही डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, करियर तत्परता और उद्यमशीलता अभिविन्यास आदि को शामिल करने वाला एक अनिवार्य समग्र विकास मॉड्यूल भी शामिल है। ये पहल बालिकाओं की रोजगार क्षमता, आर्थिक भागीदारी और समग्र कैरियर तत्परता को बढ़ाती हैं।

सरकार प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत एक सुदृढ़ निगरानी ढांचे के माध्यम से बालिकाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से आकांक्षाओं का पोषण (नव्या) कार्यक्रम के कार्यान्वयन और परिणामों की निगरानी और मूल्यांकन करती है। लाभार्थियों के पंजीकरण, उपस्थिति, प्रशिक्षण प्रगति, प्रमाणन और अन्य प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की वास्तविक समय में निगरानी के लिए स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) का उपयोग किया जाता है। प्रगति का आकलन करने और कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों (पीआईए), राज्य कौशल विकास मिशनों (एसएसडीएम) अन्य हितधारकों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं।

इसके अलावा, मंत्रालय ने राज्य कौशल विकास मिशनों (एसएसडीएम) को सलाह दी है कि वे प्रमाणित उम्मीदवारों के लिए उद्योग संबंधों और नियोक्ताओं तक पहुंच के माध्यम से नियोजन और शिक्षुता के अवसरों को सुगम बनाएं, ताकि उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाया जा सके और उनकी आर्थिक भागीदारी को समर्थन दिया जा सके।

अनुबंध

'नव्या कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित बालिकाएं' के संबंध में दिनांक 10.08.2026 को उत्तरार्थ लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3657 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

दिनांक 30 जून 2026 तक नव्या कार्यक्रम के तहत राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार प्रशिक्षित बालिकाओं की संख्या।

क्रम संख्या	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	प्रशिक्षित
1	आंध्र प्रदेश	41
2	बिहार	112
3	छत्तीसगढ	30
4	गुजरात	95
5	हरियाणा	34
6	हिमाचल प्रदेश	40
7	जम्मू और कश्मीर	137
8	झारखंड	28
9	कर्नाटक	21
10	मध्य प्रदेश	168
11	महाराष्ट्र	92
12	ओडिशा	48
13	पंजाब	99
14	राजस्थान	8
15	उत्तर प्रदेश	107
	कुल	**1,060**

*****